महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्राकृतिक भाषा संसाधन पर कार्यशाला

वर्धा दि. 19 जनवीर 2014:

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय , वर्धा के भाषा विद्यापीठ में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राकृतिक भाषा संसाधन विषय पर आयोजित कार्यशाला में शनिवार को हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति ने अक्षर आधारित भाषा की पहचान जिसके अंतर्गत 'बाइट्स और ग्राम्स' और टेक्स्ट वर्गीकरण की अवधारणा को परिभाषित किया। इसके अलावा प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया को लेकर भारत की दृष्टि, टेक्स्ट की आवश्यकता, उसकी विशेषताएँ, वर्तनी परीक्षक, टेक्स्ट से वाक् तथा भाषा प्रौद्योगिकी के लक्ष्य को प्रोफेसर मूर्ति ने बताया। प्रोफेसर मूर्ति ने सरलता पूर्वक प्रतिभागियों के मन में चल रही कई भ्रांतियों को दूर किया। कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी राम अनिरुद्ध ने कार्पस में विश्लेषण पद्धति से प्रतिभागियों को अवगत कराया। भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. धनजी प्रसाद ने अपने द्वारा विकसित प्रमुख सॉफ्टवेयरों को कार्यशाला में प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें वर्तनी परीक्षक, रूप विश्लेषक, खोजी उपकरण, देवनागरी से रोमन परिवर्तक, द्विभाषी शब्दकोश आदि प्रमुख सॉफ्टवेयर थे । सायंकालीन सत्र में प्रोफेसर मूर्ति ने प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए वाक् से वाक् अनुवाद, कार्य के विभिन्न आयाम जैसे वाक्य संबंधी, अर्थ संबंधी, कार्यक्रम के स्तर पर तथा वर्तनी परीक्षक पर बात करते हुए ऑटो सिस्टम के विषय संबंधित उनकी सीमाओं और समस्याओं को बताया। भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हनुमानप्रासाद शुक्ल ने प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति को सूत की माला एवं स्मृति चिह्न (चरखा) देकर उनका आभार प्रकट किया।